[श्री आनन्द प्रकाश गौतम]

के माननीय मुख्य मंत्री जी हैं जिनकी असफलता और अक्षमता का दुष्परिणाम हजारों छात्रों को भुगतना पड़ रहा है। मान्यवर, मेरा विचार है कि केन्द्र सरकार को इस विषय पर उनका त्यागपत्र ले लेना चाहिए और भारत के युवा प्रधान मंत्री जी को ऐसी सरकार को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए जो देश की युवा शक्ति के भविष्य से खिलवाड़ कर रही हो और उन्हें कमजोर कर रही हो। यदि इस विश्वविद्यालय को तुरंत खोलने की व्यवस्था नहीं की गयी तो वर्तमान सत्र शून्य हो जाने की सम्भावना प्रबल है जिससे विश्वविद्यालय के समस्त छात्रों का एक वर्ष का कीमती समय नष्ट हो जाएगा और उनका भविष्य अंधकार में पड़ जाएगा। अंतिम वर्ष के उन छात्रों का जिनका इसी वर्ष डिग्री प्राप्त करने की आशा में किसी कम्पटीशन में चयन हो गया है तथा जिनकी आयुसीमा समाप्त होने के निकट है, उनके जीवन में बड़ी भारी कठिनाई पैदा हो जाएगी।

अतएव मान्यवर, आपके माध्यम से मैं केन्द्र सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि इस गंभीर समस्या के निदान के लिए वह हस्तक्षेप करके शांति व्यवस्था एवं सुरक्षा का वातावरण सुनिश्चित करे जिससे कि हजारों छात्रों के भविष्य से विश्वविद्यालय प्रशासन और उत्तर प्रदेश सरकार को खिलवाड़ करने से रोका जा सके।

**श्री ईश दत्त यादव** (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख का समर्थन करते हुए दो मांगें करता हूं कि विश्वविद्यालय तुरंत खुलवाया जाये और अराजकता की घटना की जांच करा के दोषी लोगों को दंडित किया जाये।

**Need to Develop Railway Facilities in Rajasthan**

**डा॰ अबरार अहमद खान** (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, इस विशेष उल्लेख के माध्यम से मैं राजस्थान रेलवे की स्थिति के बारे में सदन को बताना चाहता हूं। महोदय, राजस्थान एक पिछड़ा प्रदेश है जिसका 1/3 भाग रेगिस्तान है। राजस्थान की सीमा 5933 किलोमीटर लंबी है जिसमें से 1070 किलोमीटर सीमा पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा बनाती है। अतः राजस्थान के विकास एवं देश को सुरक्षा के दृष्टिकोण से राजस्थान में दो चीजों का विकसित होना नितांत आवश्यक है—एक रेल व्यवस्था और दूसरे सिंचाई के साधन। महोदय, रेलवे के विकास की दृष्टि से राजस्थान बहुत पिछड़ा हुआ प्रदेश है। यदि हम यह कहें कि बड़ी लाइन एक तरह से राष्ट्र की मुख्य धारा है तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। इस आधार पर मैं कह सकता हूं कि राजस्थान राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग है क्योंकि राजस्थान के सभी जिलों का बड़ी लाइन से जुड़ना तो बड़ी दूर की बात है। राजस्थान की राजधानी जयपुर भी बड़ी लाइन से नहीं जुड़ी हुई है। जयपुर से 132 किलोमीटर दूर सवाई माधोपुर से बड़ी लाइन निकलती है तथा राजस्थान के 27 जिलों में से मात्र 3 जिलों को बड़ी लाइन मात्र टच करके निकलती है। ये जिले, हैं—भरतपुर, सवाई माधोपुर और कोटा।

महोदय, मुझे यह कहते हुए बहुत दुख है कि सारे देश में कुल मिलाकर 33,830 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन है जिसमें से राजस्थान में मात्र 839 किलोमीटर बड़ी रेलवे लाइन गुजरी है जिसका यदि हम सारे देश के परिप्रेक्ष्य में प्रतिशत देखें तो मात्र 2.5 प्रतिशत होता है जबकि क्षेत्रफल के दृष्टिकोण से लगभग कुल बड़ी रेलवे लाइन का 10 प्रतिशत व जनसंख्या के दृष्टिकोण से देखें तो कम से कम 5 प्रतिशत राजस्थान में होना चाहिए था, लेकिन बड़ी दुखद स्थिति है कि बड़ी रेलवे लाइन का मात्र 2.5 प्रतिशत हिस्सा ही राजस्थान में है। महोदय, इतना ही नहीं देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से जो देश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राजस्थान में 1070 किलोमीटर लम्बी पकिस्तान को जोड़ने वाली अंतर्राष्ट्रीय सीमा है तथा पूर्व में भी विभाजन के बाद हमें इस सोमा पर दो बार युद्ध करना पड़ा है। अतः देश की सुरक्षा की दृष्टि से भी इस सम्पूर्ण अंतर्राष्ट्रीय सीमा को बड़ी रेल्वे लाइन से जोडना बड़ा आवश्यक है।

महोदय, राजस्थान के 5 जिला मुख्यालय ऐसे हैं जो किसी भी प्रकार की रेलवे लाइन से जुड़े हुए नहीं हैं। अतः इन जिलों को रेलवे लाइनों से जोड़ा जाए तथा अविलम्ब राजस्थान में बड़ी रेलवे लाइन सवाई माधोपुर से जयपुर, जोधपुर जैसलमेर तक डालने का कार्य प्रारम्भ किया जाए।

महोदय, मैं बहुत कम समय लेते हुए एक तरफ आपका ध्यान और दिलाना चाहता हूं। इसके अलावा जो बड़ी रेलवे लाइन की जो खास ट्रेन्स हैं जिनके अंदर राजधानी एक्सप्रेस, जम्मू-तवी एक्सप्रेस, सर्वोदय एक्सप्रेस हैं, ये ट्रेनें राजस्थान में मात्र एक स्टेशन पर रुकती हैं—कोटा, जबकि छोटी-बड़ी रेलवे लाइन का संगम स्थल है सवाई माधोपुर। जो जितने भी छोटी लाइन के पैसेंजर आते हैं, जाते हैं वे सवाई माधोपुर रुकने वाली ट्रेनों से चढ़ते हैं। तो बड़ी लाइन तो नहीं है लेकिन जो बड़ी लाइन पर चलने वाली ट्रेनें हैं उनको भी राजस्थान का आदमी, इन ट्रेनों को मात्र दूर से देख सकता है, उनसें बैठ नहीं सकता और अपनी

दरिद्रता और पिछड़ेपन का आभास करता है। फ्रंटियर मेल और डीलक्स के जितने भी एयर कंडीशन के पैसेंजर होते हैं उनको सवाई माधोपुर आते ही यह आभास हो जाता है कि हम किसी पिछड़े प्रदेश में आ गए हैं। एयर कंडीशन में आने वाले पैसेंजरों को, सवाई माधोपुर से 4 ट्रेनें चलती हैं लेकिन किसी भी ट्रेन में एयर-कंडीशन का कोच नहीं लगता और जो बड़ी लाइन से पैसेंजर आते हैं उनको उन खचड़ा डिब्बों में, उन गरम डिब्बों में बैठकर आना पड़ता है। इस बात का आभास करना पड़ता है कि हम राजस्थान जैसे अकालग्रस्त प्रदेश में आ गए हैं...(**व्यवधान**)...

**उपसभाध्यक्ष (श्री जगेश देसाई)**: बस, बस। बहुत टाइम हो गया है।

**डा० अबरार अहमद खान**: एक बात और महोदय, 31 मार्च, 1988 तक जितनी बड़ी रेलवे लाइन पडी हैं, जितनी पटरियां बिछी हैं अगर इस पर आप नजर डालें तो मध्य प्रदेश में 1009 किलोमीटर, उत्तर प्रदेश में 876 किलोमीटर, पश्चिमी बंगाल में 749 किलोमीटर, उड़ीसा में 679 किलोमीटर, महाराष्ट्र में 677 किलोमीटर, जबकि राजस्थान में मात्र 562 किलोमीटर लम्बी रेलवे लाइन पड़ी है।

मदोदय, मैं इस बात को कहना चाहूंगा कि हमारे प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी राजस्थान का विकास चाहते हैं, उसको अकाल के मुंह से निकालना चाहते हैं, देश की सुरक्षा चाहते हैं लेकिन उनकी इच्छा के अनुसार काम नहीं हो रहा है। बिचौलिए इसके अंदर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। अतः राजस्थान की सुरक्षा के दृष्टिकोण से, देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से, राजस्थान को अकाल के मुंह से निकालने के दृष्टिकोण से, मैं यह चाहूंगा कि राजस्थान में रेलवे का विकास किया जाए। ज्यादा से ज्यादा वहां शीघ्र बड़ी रेलवे लाइन का विकास किया जाए।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI JAGESH DESAI): You have to associate only and not to make a speech.

**श्री भंवर लाल पंवार** (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इससे अपने आपको एसोसिएट करता हूं और इस साल के रेल बजट के अनुसार जो बड़ी रेलवे लाइन है वह उसमें जोड़ने के लिए कहता हूं।



**Identification of AIDS-Infected Vials In Assam and West Bengal**

SHRI DEB A PRASAD PAY (West Bengal): Mr. Vice-Chairman, Sir, would like to draw the attention of the Health Minister through you to a very serious development that may lead to a catastrophe in the country in general and in West Bengal in particular if precautionary measures are not taken immediately.

Sir, it has been reported in all the newspapers from West Bengal that a large number of vials with AIDS infection have reached Bengal and already nine pregnant women have been identified in Calcutta and in the suburban areas and a search is on to find out whether rest of the vials can be withdrawn from the market before they are used and given to the other patients Forty-nine vials are to be withdrawn and one does not know what will happen to those unfortunate women to whom the injections have been given.

Sir, this particular drug called Reggal is neant for the prevention of anaemia and is given to pregnant women so as to ensure that after the delivery they do not die of anaemia. This is actually manufactured by Biogenus India Ltd. and the component that is used for the manufacture of this drug is the serum taken from the human blood and that is how the virus of the AIDS has found a place in this particular serum used in this particular drug.

It so happened that nearly a month ago this injection was to be administered to a lady at the all India Institute who happens to be the wife of a doctor. The doctor being very careful, wanted tb£ particular drug to be tested in the aboratory before it was administered to her. And in the process it was revealed that the particular drug was containing the anti-body of AIDS virus, and immediately the matter was taken up with the Drug Controller, Maharashtra Government so as to ensure tftat me